+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

TODAY'S ANALYSIS
(आज का विश्लेषण)
(05 July 2024)

Sources:

The Hindu, The Indian Express, The Economics Times & PIB

Important News:

- शंघाई सहयोग संगठन (SCO) और भारत
- अमेरिकी स्वतंत्रता की घोषणा की कहानी
- MCQ

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

शंघाई सहयोग संगठन (SCO) और भारत:

चर्चा में क्यों हैं?

- कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन के अंतिम दिन 4 जुलाई को भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ बातचीत की। इससे पहले, जयशंकर ने 3 जुलाई को शुरू हुए दो दिवसीय शिखर सम्मेलन के दौरान SCO के सदस्य ताजिकिस्तान और रूस तथा सबसे नए सदस्य बेलारूस के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी कीं।
- उल्लेखनीय है कि बेलारूस और ईरान पहले इस समूह में पर्यवेक्षक का दर्जा रखते थे। लेकिन ईरान पिछले साल औपचारिक रूप से इसमें शामिल हुआ था, जबकि बेलारूस को 4 जुलाई को औपचारिक रूप से इसमें शामिल किया गया।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

शंघाई सहयोग संगठन (SCO) क्या है?

- इसकी उत्पत्ति 1996 में गठित "शंघाई फाइव" में निहित है, जिसमें चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान और ताजिकिस्तान शामिल हैं।
- 1991 में सोवियत संघ के 15 स्वतंत्र देशों में विघटन के साथ, इस क्षेत्र में चरमपंथी धार्मिक समूहों और जातीय तनावों के सामने आने की चिंताएँ थीं। इन मुद्दों को प्रबंधित करने के लिए, सुरक्षा मामलों पर सहयोग के लिए एक समूह बनाया गया था।
- इसके आधार पर, 15 जून, 2001 को शंघाई में एक अंतरराष्ट्रीय संगठन के रूप में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) की स्थापना की गई, और इसमें छठे सदस्य के रूप में उज्बेकिस्तान को भी शामिल किया गया।
- स्थापना के बाद से, SCO का पहला विस्तार 2017 में हुआ था, जिसमें भारत और पाकिस्तान को स्थायी सदस्य के रूप में शामिल किया गया था। 2023 में ईरान को स्थायी सदस्य के रूप में शामिल करने के साथ समूह का और विस्तार होना है।

- वर्तमान में बेलारूस को शामिल करने से पहले, इसके नौ सदस्य थे: भारत, ईरान, कजाकिस्तान, चीन, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान। अफगानिस्तान और मंगोलिया को पर्यवेक्षक का दर्जा प्राप्त है।
- उल्लेखनीय है कि SCO यूरेशिया का सबसे बड़ा क्षेत्रीय संगठन है। इसके सदस्यों में पृथ्वी की सतह का एक-चौथाई से अधिक हिस्सा और दुनिया की 40 प्रतिशत से अधिक आबादी शामिल है। वे दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एक-तिहाई से अधिक का योगदान भी देते हैं।

SCO क्यों महत्वपूर्ण है?

- SCO उन कुछ अंतरराष्ट्रीय संगठनों में से एक है जो सुरक्षा मुद्दों से निपटते हैं और इसमें मुख्य रूप से एशियाई सदस्य हैं।
- उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ वर्षों में संगठन की भूमिका सीमा विवादों को सुलझाने से लेकर क्षेत्रीय सुरक्षा और आर्थिक चिंताओं को संबोधित करने तक विकसित हुई है। हाल ही में, पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर भी बहस हुई है। क्षेत्रीय दिग्गज रूस और चीन ने "पश्चिमी" अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के विकल्प के रूप में इसकी स्थिति पर जोर दिया है। ब्रिक्स समूह के साथ, जिसमें भारत, दक्षिण

अफ्रीका और ब्राजील भी शामिल हैं, दोनों देश अमेरिकी प्रभाव के खिलाफ खड़े होते दिखाई दे रहे हैं।

- लेकिन हाल के वर्षों में चीन और रूस के बीच "असीम दोस्ती" की घोषणाओं के बावजूद, ऐसे मंचों पर कौन अधिक प्रभाव डालता है, इस पर उनके बीच प्रतिस्पर्धा की भावना भी है।

चीन-रूस द्वारा अपना प्रभाव बढ़ाने को लेकर प्रतिद्वंदिता:

- जबकि मध्य एशियाई गणराज्यों को पारंपरिक रूप से रूस के प्रभाव क्षेत्र के हिस्से के रूप में देखा जाता रहा है, चीन ने भी इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं में निवेश के माध्यम से तेल और गैस समृद्ध देशों का लाभ उठाने की कोशिश की है। यह हाल के वर्षों में चीन की बढ़ती आर्थिक ताकत के साथ-साथ हुआ है, साथ ही ये परियोजनाएँ इसके बड़े बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) का भी हिस्सा हैं।
- 2017 में भारत और पाकिस्तान को SCO में शामिल किए जाने को भी इस होड़ को दर्शाने के रूप में देखा गया। जहाँ रूस ने भारत के दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदार के रूप में प्रवेश का समर्थन किया, वहीं चीन ने रूस के पक्ष में शक्ति संतुलन को रोकने के लिए अपने सहयोगी पाकिस्तान का समर्थन किया।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

भारत के लिए SCO की क्या प्रासंगिकता है?

- सकारात्मक पक्ष:

➢ SCO में भारत को मध्य एशिया तक सीधी पहुंच प्रदान करने की क्षमता है, जो एक ऐसा क्षेत्र है जिसे इसके विस्तारित पड़ोस का हिस्सा माना जाता है। यह सदस्य देशों को द्विपक्षीय रूप से जुड़ने के लिए एक मंच भी प्रदान करता है।

➢ रूस, ईरान, कजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान दुनिया के कुछ प्रमुख ऊर्जा आपूर्तिकर्ता हैं, जबकि भारत एक प्रमुख ऊर्जा आयातक है। 10 ये देश भारत की ऊर्जा सुरक्षा को पूरा करने की क्षमता रखते हैं। इस बीच, ईरान अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (INSTC) का एक प्रमुख स्तंभ है, जो भारत और मध्य एशिया के बीच सीधी भूमि पहुँच के पाकिस्तान के रणनीतिक इनकार को दरकिनार करना चाहता है।

➢ यह आम सुरक्षा मुद्दों पर क्षेत्र के प्रमुख अभिनेताओं के साथ संचार बनाए रखने के लिए भी महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए, SCO के भीतर एक महत्वपूर्ण स्थायी संरचना क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना (RATS) है।

➢ यह संगठन भारत को चीन और पाकिस्तान जैसे पड़ोसियों के साथ कूटनीतिक रूप से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है, ऐसे समय में जब द्विपक्षीय संबंध मुश्किल बने हुए हैं। ये बैठकें संबंधों को बेहतर बनाने का मार्ग प्रशस्त कर सकती हैं।

- चुनौतियां:

➢ ऐसी धारणा है कि चीन SCO में आर्थिक फैसले ले रहा है और बीजिंग से आने-जाने वाली सभी सड़कें बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव से जुड़ी हुई हैं।

➢ SCO में भारत की सबसे बड़ी बाधा प्रत्यक्ष भूमि संपर्क की कमी है, क्योंकि पाकिस्तान के माध्यम से निकटतम पारगमन मार्ग अवरुद्ध है।

➢ क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना (RATS) SCO का एक अभिन्न अंग है क्योंकि यह क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी सहयोग का निर्माण करना चाहता है। हालांकि, RATS की एक अंतर्निहित सीमा यह है कि इसका ध्यान मुख्य रूप से दक्षिण एशिया के बजाय मध्य एशिया से उत्पन्न होने वाले खतरों से निपटने पर है।

- निष्कर्ष: इन चुनौतियों के बावजूद, एससीओ भारत के यूरेशियन गणित में एक महत्वपूर्ण वेक्टर बना हुआ है। इसके अलावा, SCO की क्षमता का अभी भी दोहन नहीं हुआ है। इनमें मानवीय आधार पर सहायता, आपदा राहत, स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन शामिल हैं।

अमेरिकी स्वतंत्रता की घोषणा की कहानी:

चर्चा में क्यों है?

- 4 जुलाई को संयुक्त राज्य अमेरिका का 248वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस, संयुक्त राज्य अमेरिका में एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अवकाश है जो 4 जुलाई 1776 को ग्रेट ब्रिटेन से देश की स्वतंत्रता की घोषणा का स्मरण कराता है।
- इसने संयुक्त राज्य अमेरिका को एक संप्रभु और स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में स्थापित किया।

अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस का इतिहास क्या है?

- जबकि स्वतंत्रता दिवस का पहला वार्षिक उत्सव 4 जुलाई, 1777 को फिलाडेल्फिया में मनाया गया था, हालांकि जॉन एडम्स, एक 'संस्थापक पिता' और अमेरिका के दूसरे राष्ट्रपति, ने महसूस किया कि इसे 2 जुलाई को मनाया जाना चाहिए।
- उल्लेखनीय है कि अमेरिकी उपनिवेशों ने 4 जुलाई, 1776 को स्वतंत्रता प्राप्त की, लेकिन यह प्रक्रिया दो दिन पहले, 2 जुलाई, 1776 को शुरू हुई, जब महाद्वीपीय

कांग्रेस ने स्वतंत्रता की घोषणा करने के लिए मतदान किया और थॉमस जेफरसन और बेंजामिन फ्रैंकलिन ने उपनिवेशों को स्वतंत्र और संप्रभु राज्य घोषित किया।

- हालांकि 'स्वतंत्रता की घोषणापत्र', जिसे 4 जुलाई, 1776 को स्वीकृत और अपनाया गया, ने ब्रिटिश सरकार के खिलाफ उपनिवेशवादियों की शिकायतों को रेखांकित किया और स्वशासन के उनके अधिकार पर जोर दिया, इस प्रकार उपनिवेशों की संप्रभु और स्वतंत्र राज्यों के रूप में स्थिति को औपचारिक रूप दिया गया।
- परिणामस्वरूप, 4 जुलाई को आधिकारिक तौर पर अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस के रूप में चिह्नित किया गया और तब से हर वर्ष इस दिन को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

उपनिवेशवादियों का ब्रिटेन के प्रति असंतोष:

- अंग्रेजों द्वारा उत्तरी अमेरिका में स्थायी उपनिवेश बनाने के लिए पहली बार कदम रखने के 150 से अधिक वर्षों के बाद, इस भूमि पर बसने वाले लोग, जिन्हें उपनिवेशवादी कहा जाता था, अंग्रेजों से लगातार असंतुष्ट होते जा रहे थे।
- 13 ब्रिटिश उपनिवेशों से यह अपेक्षा की गई थी कि वे स्व-सेवा करने वाली विधायिकाओं के रूप में काम करेंगे जो स्वतंत्र रूप से कानून पारित करेंगे, कर

लगाएंगे और सेना इकट्ठा करेंगे। हालांकि, उपनिवेशवादियों को लंदन में ब्रिटिश संसद में किसी भी तरह का प्रतिनिधित्व नहीं मिला।

- 1763 तक, ब्रिटिशों ने अपने अमेरिकी उपनिवेशों के साथ 'हितकर उपेक्षा' की नीति अपनाई, जिन्हें अपनी व्यापार प्रक्रियाओं में पूरी छूट दी गई थी। फ्रांसीसी और भारतीय युद्ध की समाप्ति के बाद चीजें बदल गईं। अंग्रेजों ने एक घोषणा जारी की जिसमें उपनिवेशवादियों को स्वदेशी क्षेत्र में अपने निवास का विस्तार करने से मना किया गया, जिसे बसने वाले अपनी स्वतंत्रता का उल्लंघन मानते थे।
- इस निर्देश की अनदेखी की गई, जिससे ब्रिटेन के साथ संबंध खराब हो गए। इसके बाद एक दशक तक सख्त प्रतिबंध लगे। शुगर एक्ट (1764), स्टैम्प एक्ट (1765), चाय एक्ट (1773) और इनटॉलरेबल एक्ट (1774) जैसे कई कानून पारित किए गए, जिससे अमेरिकियों के जीवन में ब्रिटिश हस्तक्षेप बढ़ गया।

स्वतंत्रता की घोषणापत्र तक पहुंचने की प्रक्रिया:

- 16 दिसंबर, 1773 को, 'सन्स ऑफ़ लिबर्टी' के नाम से जाने जाने वाले एक समूह ने ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा बोस्टन भेजी गई चाय की खेप को नष्ट कर दिया। 'बोस्टन टी पार्टी' ने दमनकारी चाय कर और पूरे ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ़ उपनिवेशों में प्रतिरोध आंदोलन शुरू किया।

- साथ ही उपनिवेशवादियों ने दावा किया कि ब्रिटेन को ब्रिटिश संसद में प्रतिनिधित्व दिए बिना उपनिवेशवादियों पर कर लगाने का कोई अधिकार नहीं है।
- उपनिवेशों ने एकजुट होकर कॉन्टिनेंटल कांग्रेस का गठन किया ताकि ब्रिटिशों के खिलाफ आगे की कार्रवाई का फैसला किया जा सके। हालाँकि उन्होंने शुरू में ब्रिटिश सामानों के बहिष्कार को लागू करने और बेहतर शर्तों पर बातचीत करने के लिए किंग जॉर्ज III से मिलने की कोशिश की, लेकिन उनके प्रयास व्यर्थ रहे।
- अप्रैल 1775 तक, 13 उपनिवेश ब्रिटिश साम्राज्य से स्वतंत्रता पाने के लिए युद्ध लड़ रहे थे। जब लड़ाई जारी थी, 2 जुलाई 1776 को कांग्रेस के 13 सदस्य-राज्यों में से 12 ने "सर्वसम्मति से" यह माना कि उपनिवेश "स्वतंत्र और संप्रभु राज्य हैं और होने भी चाहिए"। यह मूलतः स्वतंत्रता के लिए एक औपचारिक मतदान था।

'स्वतंत्रता की घोषणापत्र' पर हस्ताक्षर:

- उल्लेखनीय है कि उपनिवेशों की स्वतंत्रता को औपचारिक रूप देने वाले दस्तावेज, 'स्वतंत्रता की घोषणापत्र' पर 4 जुलाई 1976 को हस्ताक्षर किए गए।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- इस "स्वतंत्रता की घोषणापत्र" पर 56 प्रतिनिधियों ने हस्ताक्षर किए और इन हस्ताक्षरकर्ताओं को हमेशा के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के संस्थापक पिता के रूप में पहचाना गया।
- इस घोषणापत्र में कहा गया है, "हम इन सत्यों को स्वयंसिद्ध मानते हैं कि सभी मनुष्य समान बनाए गए हैं, कि उन्हें उनके रचयिता द्वारा कुछ अविभाज्य अधिकार प्रदान किए गए हैं, जिनमें जीवन, स्वतंत्रता और खुशी की खोज शामिल हैं"।

MCQ:

1. चर्चा में रहे 'शंघाई सहयोग संगठन (SCO)' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

   1. इसके सदस्यों में पृथ्वी की सतह का एक-तिहाई से अधिक हिस्सा और दुनिया की 60 प्रतिशत से अधिक आबादी शामिल है।
   2. यह उन कुछ अंतरराष्ट्रीय संगठनों में से एक है जो सुरक्षा मुद्दों से निपटते हैं वह भी मुख्य रूप से एशियाई सुरक्षा हैं।

   उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

   (a) केवल 1

   (b) केवल 2

   (c) 1 और 2 दोनों

   (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

   Ans. (b)

2. चर्चा में रहा 'क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना (RATS)' निम्नलिखित किस अंतर्राष्ट्रीय संगठन से जुड़ा है?

   (a) NATO

   (b) BRICS

   (c) G-7

   (d) SCO

   Ans. (d)

3. हाल ही में चर्चा में रहे 'अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा 4 जुलाई 1776 को ग्रेट ब्रिटेन से देश की स्वतंत्रता की घोषणा का स्मरण कराता है।
2. इस दिन हस्ताक्षरित "स्वतंत्रता की घोषणापत्र" पर 56 प्रतिनिधियों ने हस्ताक्षर किए जिन्हे हमेशा के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के संस्थापक पिता के रूप में पहचाना गया।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Ans. (c)

4. अमेरिकी स्वतंत्रता के इतिहास में 'सन्स ऑफ़ लिबर्टी' के नाम से जाने जाने वाले एक समूह ने मशहूर 'बोस्टन टी पार्टी' को कब अंजाम दिया था?

(a) 16 दिसंबर, 1773 को

(b) 13 अप्रैल, 1775 को

(c) 2 जुलाई, 1776 को

(d) 4 जुलाई, 1776 को

Ans. (a)

5. 'भारत के लिए SCO की प्रासंगिकता' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह भारत को मध्य एशिया तक सीधी पहुंच प्रदान करने की क्षमता देता है, जो एक ऐसा क्षेत्र है जिसे इसके विस्तारित पड़ोस का हिस्सा माना जाता है।
2. यह संगठन भारत को चीन और पाकिस्तान जैसे पड़ोसियों के साथ कूटनीतिक रूप से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Ans. (c)